रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 4434] नई दिल्ली, सोमवार, नवम्बर 5, 2018/कार्तिक 14, 1940
No. 4434] NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 5, 2018/KARTIKA 14, 1940

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अक्तूबर, 2018

का.आ. 5646(अ).—मंत्रालय की प्रारुप अधि सूचना का.आ. 3496(अ.), दिनांक 18 दिसम्बर, 2015 के अधिक्रमण में, अधिसूचना का निम्नलिखित प्रारुप, अधिसूचना का निम्नलिखित प्रारुप, जिसे केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 3 की उपधारा (2) के खंड (v) और खंड (xiv) तथा उपधारा (3) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जारी करने का प्रस्ताव करती है, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) की अपेक्षानुसार, जनसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है; जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, और यह सूचित किया जाता है कि उक्त प्रारूप अधिसूचना पर, उस तारीख से, जिसको इस अधिसूचना को अंतर्विष्ट करने वाले भारत के राजपत्र की प्रतियां जनसाधारण को उपलब्ध करा दी जाती हैं, साठ दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा ;

ऐसा कोई व्यक्ति, जो प्रारूप अधिसूचना में अंतर्विष्ट प्रस्तावों के संबंध में कोई आपत्ति या सुझाव देने का इच्छुक है, वह विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर, केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किए जाने के लिए, अपनी आपत्ति या सुझाव सचिव, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड, अलीगंज, नई दिल्ली-110003 को या ई-मेल esz-mef@nic.in पर लिखित रूप में भेज सकता है।

प्रारूप अधिसूचना

कासू ब्रह्मानंद रेड्डी (के.बी.आर) राष्ट्रीय उद्यान हैदराबाद महानगर, तेलंगाना में घनी आवासीय आबादी और व्यावसायिक क्षेत्र में स्थित जिसका क्षेत्रफल 1.42 वर्ग किलोमीटर है।

और, राष्ट्रीय उद्यान हैदराबाद की तेजी से विकसित हो रहे शहर के लिए एक विशाल कार्बन सिंक के रूप में कार्य करता है और जो दक्कन के पठार की समृद्ध जैव विविधता और अद्वितीय चट्टान संरचनाओं का प्रतिनिधित्व करता है और उसके अंतिम अवशेष के रूप में है जिसमें 600 से अधिक वनस्पति प्रजातियों 133, पक्षियों की प्रजातियां, 20 स्तनपायी प्रजातियां, 20 सरीसृप और उभयचरों की प्रजातियां है।

और, राष्ट्रीय उद्यान के आसपास हैदराबाद न तो कोई वन क्षेत्र है और ना ही कोई खुला क्षेत्र है और केवल शहरी विकास प्राधिकरण (एच एम डी ए) के द्वारा विकसित 25 से 35 मीटर चौड़ा पैदल रास्ता है ।

और, इस क्षेत्र का परिरक्षण और संरक्षण करना आवश्यक है तथा प्रस्ताव है कि इसके विस्तार और सीमाओं को इस अधिसूचना के पैरा में विनिर्दिष्ट 1 कासू ब्रह्मानंद रेड्डी राष्ट्रीय उद्यान के चारों ओर सभी अवस्थानों में न्यूनतम चौड़ाई 3 मीटर और अधिकतम चौड़ाई 29.80 मीटर के साथ पारिस्थितिकी संवेदी जोन के रुप में अधिसूचित किया जाए और पर्यावरण की दृष्टि से उद्योगों या उद्योगों के वर्ग को तथा उनकी संक्रियाओं और प्रक्रियाओं को उक्त पारिस्थितिकी संवेदी जोन में प्रतिषिद्ध करना आवश्यक है ;

और, कासू ब्रह्मानंद रेड्डी राष्ट्रीय उद्यान के चारों ओर के क्षेत्र को पर्यावरण की दृष्टि से पारिस्थितिकी संवेदी जोन के रूप में सुरक्षित और संरक्षित करना तथा उक्त पारिस्थितिकी में प्रतिषिद्ध करना आवश्यक है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) के साथ पठित पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की उपधारा (1) तथा धारा 3 की उपधारा (2) एवं उपधारा (3) के खंड (v) और खंड (xiv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तेलंगाना राज्य में कासू ब्रह्मानंद रेड्डी राष्ट्रीय उद्यान की सीमा के चारों ओर 3 मीटर से 29.80 मीटर तक विस्तारित क्षेत्र को कासू ब्रह्मानंद रेड्डी राष्ट्रीय उद्यान पारिस्थितिकी संवेदी जोन (जिसे इसमें इसके पश्चात् पारिस्थितिकी संवेदी जोन कहा गया है) के रूप में अधिसूचित करती है, जिसका विवरण निम्नानुसार है, अर्थात् :--

1. **पारिस्थितिकी संवेदी जोन का विस्तार और सीमा**--(1) कासू ब्रह्मानंद रेड्डी राष्ट्रीय उद्यान के पारिस्थितिकी संवेदी जोन का कुल क्षेत्र 0.0582 वर्ग किलोमीटर है। पारिस्थितिकी संवेदी जोन का विस्तार 3 मीटर से 29.80 मीटर तक फैला हुआ है।

(2) सीमा विवरण के साथ पारिस्थितिकी संवेदी जोन सीमा का मानचित्र **उपाबंध-I** के रूप में संलग्न है।

(3) पारिस्थितिकी संवेदी जोन और संरक्षित क्षेत्र की सीमा के भू-निर्देशांकों की सूची **उपाबंध-II** में दी गई है।

(4) पारिस्थितिकी संवेदी जोन कासू ब्रह्मानंद रेड्डी राष्ट्रीय उद्यान के अंतर्गत आने वाले कोई आवास/ग्राम नहीं है।

2. पारिस्थितिकी संवेदी जोन के लिए आंचलिक महायोजना.– (1) राज्य सरकार, पारिस्थितिकी संवेदी जोन के प्रयोजन के लिए, राजपत्र में अंतिम अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दो वर्ष की अवधि के भीतर, स्थानीय व्यक्तियों के परामर्श से और इस अधिसूचना में दिए गए अनुबंधों का पालन करते हुए, राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदनार्थ एक आंचलिक महायोजना बनायेगी।

(2) राज्य सरकार द्वारा पारिस्थितिकी संवेदी जोन के लिए आचंलिक महायोजना इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट रीति से तथा प्रासंगिक केंद्रीय और राज्य विधियों के अनुरूप तथा केंद्रीय सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देशों, यदि कोई हों, के अनुसार बनायी जाएगी ।

(3) आंचलिक महायोजना में पारिस्थितिकी और पर्यावरण संबंधी सरोकारों को शामिल करने के लिए इसे राज्य सरकार के निम्नलिखित विभागों के परामर्श से बनाया जाएगा, अर्थात्:-

(i) पर्यावरण;

(ii) वन और वन्यजीव;

(iii) कृषि और बागवानी;

(iv) राजस्व;

(v) शहरी विकास;

(vi) पर्यटन सहित पारिस्थितिकी पर्यटन;

(vii) ग्रामीण विकास;

(viii) सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण;

(ix) नगर और शहरी विकास;

(x) पंचायती राज; और

(xi) लोक निर्माण विभाग।

(4) जब तक इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट न हो, आंचलिक महायोजना में वर्तमान में अनुमोदित भू-उपयोग, अवसंरचना और क्रियाकलापों पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा तथा आचंलिक महायोजना में सभी अवसंरचनाओं और क्रियाकलापों में सुधार करके उन्हे अधिक दक्ष और पारिस्थितिकी-अनुकूल बनाने की व्यवस्था की जाएगी।

(5) आंचलिक महायोजना में वनरहित और अवक्रमित क्षेत्रों की बहाली, विद्यमान जल निकायों के संरक्षण, आवाह क्षेत्रों के प्रबंधन, जल-संभरों के प्रबंधन, भू-जल के प्रबंधन, मृदा और नमी के संरक्षण, स्थानीय जनता की आवश्यकताओं तथा पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण के ऐसे अन्य पहलुओं की व्यवस्था की जाएगी जिन पर ध्यान दिया जाना आवश्यक है।

(6) आंचलिक महायोजना में सभी विद्यमान पूजा स्थलों, ग्रामों एवं शहरी बस्तियों, वनों की श्रेणियों एवं किस्मों, कृषि क्षेत्रों, ऊपजाऊ भूमि, उद्यानों एवं उद्यानों की तरह के हरित क्षेत्रों, बागवानी क्षेत्रों, बगीचों, झीलों और अन्य जल निकायों की सीमा का निर्धारण किया जाएगा तथा सहायक मानचित्र भी दिया जाएगा। इस महायोजना में विद्यमान और प्रस्तावित भू- उपयोग की विशेषताओं का ब्यौरा देने वाले मानचित्र भी दिए जाएंगे।

(7) आंचलिक महायोजना में पारिस्थितिकी संवेदी जोन में होने वाले विकास का विनियमन किया जाएगा और सारणी में यथासूचीबद्ध प्रतिषिद्ध एवं विनियमित क्रियाकलापों का पालन किया जाएगा। इसमें स्थानीय जनता की आजीविका की सुरक्षा के लिए पारिस्थितिकी-अनुकूल विकास का भी सुनिश्चय एवं संवर्धन किया जाएगा।

(8) आंचलिक महायोजना, क्षेत्रीय विकास योजना की सह-कालिक होगी ।

(9) अनुमोदित आंचलिक महायोजना, निगरानी समिति के लिए एक संदर्भ दस्तावेज होगी ताकि वह इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुसार निगरानी के अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सके ।

3. **राज्य सरकार द्वारा किए जाने वाले उपाय-** राज्य सरकार इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभावी बनाने के लिए निम्नलिखित उपाय करेगी, अर्थात्:--

(1) **भू-उपयोग –** (क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में वनों, बागवानी क्षेत्रों, कृषि क्षेत्रों, मनोरंजन के लिए चिन्हित उद्यानों और खुले स्थानों का वृहद वाणिज्यिक या आवासीय परिसरों या औद्योगिक क्रियाकलापों के लिए प्रयोग या संपरिवर्तन अनुज्ञात नहीं किया जाएगा।

(ख) परंतु पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर भाग (क) में विनिर्दिष्ट प्रयोजन से भिन्न प्रयोजन के लिए कृषि और अन्य भूमि का संपरिवर्तन, निगरानी समिति की सिफारिश पर और सक्षम प्राधिकारी के पूर्व अनुमोदन से क्षेत्रीय नगर योजना अधिनियम तथा यथा लागू केन्द्रीय/राज्य सरकार के अन्य नियमों एवं विनियमों के अधीन तथा इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुसार स्थानीय निवासियों की निम्नलिखित आवासीय जरूरतों को पूरा करने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा:

(i) विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना, उन्हें सुदृढ करना और नई सड़कों का संनिर्माण;

(ii) बुनियादी ढांचों और नागरिक सुविधाओं का संनिर्माण और नवीकरण;

(iii) प्रदूषण उत्पन्न न करने वाले लघु उद्योग;

(iv) कुटीर उद्योग एवं ग्राम उद्योग; पारिस्थितिकी पर्यटन में सहायक सुविधा भण्डार, स्थानीय सुविधाएं तथा ग्रह वास; और

(v) बढ़ावा दिए गए और पैरा-4 में उल्लिखित क्रियाकलाप।

(ग) परंतु यह भी कि क्षेत्रीय शहरी नियोजन अधिनियम के अधीन सक्षम प्राधिकारी के पूर्व अनुमोदन के बिना तथा राज्य सरकार के अन्य नियमों एवं विनियमों एवं संविधान के अनुच्छेद 244 के उपबंधों तथा तत्समय प्रवृत्त विधि, जिसके अंतर्गत अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 (2007 का 2) भी आता है, का अनुपालन किए बिना वाणिज्यिक या औद्योगिक विकास क्रियाकलापों के लिए जनजातीय भूमि का प्रयोग अनुज्ञात नहीं होगा।

(घ) परंतु यह भी कि पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाली भूमि के अभिलेखों में हुई किसी त्रुटि को, निगरानी समिति के विचार प्राप्त करने के पश्चात्, राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक मामले में एक बार सुधारा जाएगा और उक्त त्रुटि को सुधारने की सूचना केंद्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को दी जाएगी ।

(ड.) परंतु यह भी कि उपर्युक्त त्रुटि को सुधारने में, इस उप-पैरा में यथा उपबंधित के सिवाय, किसी भी दशा में भू-उपयोग का परिवर्तन शामिल नहीं होगा ।

(च) अनुप्रयुक्त या अनुत्पादक कृषि क्षेत्रों में पुन: वनीकरण तथा पर्यावासों और जैव-विविधता की बहाली के प्रयास किए जाएंगे ।

(2) **प्राकृतिक जल स्रोत-** आंचलिक महायोजना में सभी प्राकृतिक जल स्रोतों/नदियों/जलमार्गों के आवाह क्षेत्रों की पहचान की जाएगी और उनके संरक्षण और बहाली की योजना सम्मिलित की जाएगी।

(3) **पर्यटन/पारिस्थितिकी पर्यटन –** (क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में सभी नए पारिस्थितिकी पर्यटन क्रियाकलाप या विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों का विस्तार पारिस्थितिकी संवेदी जोन सम्बंधी पर्यटन महायोजना के अनुसार अनुज्ञात होगा ।

(ख) पारिस्थितिकी पर्यटन महायोजना राज्य सरकार के पर्यावरण और वन विभाग के परामर्श से पर्यटन विभाग द्वारा बनायी जाएगी ।

(ग) पर्यटन महायोजना आंचलिक महायोजना का घटक होगी ।

(घ) पारिस्थितिकी पर्यटन संबंधी क्रियाकलाप निम्नानुसार विनियमित किए जाएंगे, अर्थात् :-

(i) राष्ट्रीय उद्यान की सीमा से 1 किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक, इनमें जो भी अधिक निकट हो, किसी होटल या रिजॉर्ट का नया सन्निर्माण अनुज्ञात नहीं किया जाएगा। तथापि, पारिस्थितिकी पर्यटन सुविधाओं के लिए संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर की दूरी से परे पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक पूर्व परिभाषित और अभीहित क्षेत्रों में पर्यटन महायोजना के अनुसार, नए होटलों और रिजॉर्ट की स्थापना अनुज्ञात होगी।

(ii) पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अन्दर सभी नए पर्यटन क्रिया-कलापों या विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों का विस्तार, केन्द्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों तथा पारिस्थितिकी पर्यटन पर बल देने वाले राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण द्वारा जारी पारिस्थितिकी पर्यटन संबंधी दिशानिर्देशों (समय-समय पर यथा संशोधित) के अनुसार होगा ।

(iii) आंचलिक महायोजना का अनुमोदन होने तक, पर्यटन के विकास और विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों के विस्तार को वास्तविक स्थल-विशिष्ट संवीक्षा तथा निगरानी समिति की सिफारिश के आधार पर संबंधित विनियामक प्राधिकरणों द्वारा अनुज्ञात किया जाएगा और पारिस्थितिकी संवेदी जोन में किसी नए होटल/ रिजॉर्ट या वाणिज्यिक प्रतिष्ठान का संन्निर्माण अनुज्ञात नहीं होगा ।

(4) **प्राकृतिक विरासत–** पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले बहुमूल्य प्राकृतिक विरासत के सभी स्थलों जैसे कि जीन पूल रिजर्व क्षेत्र, शैल संरचना, जल प्रपात, झरने, दर्रे, उपवन, गुफाएं, स्थल, वनपथ, रोहण मार्ग, उत्प्रपात आदि की पहचान की जाएगी और उनकी सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए आंचलिक महायोजना के भाग के रूप में एक विरासत संरक्षण योजना बनायी जाएगी।

(5) **मानव निर्मित विरासत स्थल-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में भवनों, संरचनाओं, कलाकृति-क्षेत्रों तथा ऐतिहासिक, स्थापत्य संबधी, सौंदर्यात्मक और सांस्कृतिक महत्व के क्षेत्रों की पहचान की जाएगी और उनके संरक्षण के लिए आंचलिक महायोजना के भाग के रूप में एक विरासत संरक्षण योजना बनायी जाएगी।

(6) **ध्वनि प्रदूषण**– तेलंगाना राज्य सरकार का पर्यावरण विभाग या राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के अधीन बने ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 के उपबंधों के अनुसार पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ध्वनि प्रदूषण के नियंत्रण संबंधी विनियमों को लागू करेगा ।

(7) **वायु प्रदूषण** -- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में, वायु प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण, वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 (1981 का 14) के उपबंधों और उसके अधीन बनाए गए नियमों और उनमें किए गए संशोधनों के अनुसार किया जाएगा।

(8) **बहिस्राव का निस्सारण-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में उपचारित बहिस्राव का निस्सारण, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 और उसके अधीन बनाए गए नियमों के अन्तर्गत शामिल किए गए पर्यावरणीय प्रदूषण के निस्सारण संबंधी साधारण मानकों या राज्य सरकार द्वारा नियत मानकों, इनमें जो भी अधिक कठोर हों, के अनुसार किया जाएगा।

(9) **ठोस अपशिष्ट-** ठोस अपशिष्ट का निपटान एवं प्रबन्धन निम्नानुसार किया जाएगा:-

(क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ठोस अपशिष्ट का निपटान और प्रबंधन भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं. का.आ. 1357(अ), दिनांक 8 अप्रैल, 2016 के तहत प्रकाशित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा। अकार्बनिक पदार्थों का निपटान पारिस्थितिकी संवेदी जोन से बाहर चिन्हित किए गए स्थानों पर पर्यावरण-अनुकूल रीति से किया जाएगा;

(ख) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में मान्य प्रौद्योगिकियों का प्रयोग करते हुए विद्यमान नियमों और विनियमों के अनुरूप ठोस अपशिष्ट का सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल प्रबंधन अनुज्ञात किया जाएगा।

(10) **जैव चिकित्सा अपशिष्ट** - जैव चिकित्सा अपशिष्ट का प्रबंधन निम्नानुसार किया जाएगा:-

(क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में जैव चिकित्सा अपशिष्ट का निपटान भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय–समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं.सा.का.नि 343 (अ), तारीख 28 मार्च, 2016 के तहत प्रकाशित जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा ।

(ख) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में मान्य प्रौद्योगिकियों का प्रयोग करते हुए विद्यमान नियमों और विनियमों के अनुरूप जैव-चिकित्सा अपशिष्ट का सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल प्रबंधन अनुज्ञात किया जाएगा।

(11) **प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन:-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में प्लास्टिक अपशिष्ट का प्रबंधन, भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं.सा.का.नि 340(अ), तारीख 18 मार्च, 2016 के तहत प्रकाशित प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधो के अनुसार किया जाएगा।

(12) **निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन:-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट का प्रबंधन, भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं.सा.का.नि 317(अ), तारीख 29 मार्च, 2016 के तहत प्रकाशित संनिर्माण और विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(13) **ई–अपशिष्ट:-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ई–अपशिष्ट का प्रबंधन, भारत सरकार पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा प्रकाशित तथा समय-समय पर यथा संशोधित ई–अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(14) **सड़क-यातायात:-** सड़क-यातायात को पर्यावास-अनुकूल तरीके से विनियमित किया जाएगा और इस संबंध में आंचलिक महायोजना में विशेष उपबंध शामिल किए जाएंगे। आंचलिक महायोजना के तैयार होने और राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदित होने तक, निगरानी समिति प्रासंगिक अधिनियमों और उनके तहत बनाए गए नियमों एवं विनियमों के अनुसार सड़क-यातायात के अनुपालन की निगरानी करेगी।

(15) **वाहन जनित प्रदूषण:-** वाहन जनित प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण लागू विधियों के अनुसार किया जाएगा। स्वच्छतर ईंधन जैसे कि सीएनजी, एलपीजी आदि के प्रयोग के प्रयास किए जाएंगे ।

(16) **औद्योगिक ईकाइयां:-** (i) सरकारी राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख को या उसके बाद पारिस्थितिकी संवेदी जोन में किसी नए प्रदूषणकारी उद्योग की स्थापना अनुज्ञात नहीं होगी।

(ii) जब तक इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट न हो, पारिस्थितिकी संवेदी जोन में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा फरवरी, 2016 में जारी दिशानिर्देशों में किए गए उद्योगों के वर्गीकरण के अनुसार केवल गैर-प्रदूषणकारी उद्योगों की स्थापना अनुज्ञात होगी। इसके अतिरिक्त, गैर-प्रदूषणकारी कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा।

(17) **पहाड़ी ढलानों का संरक्षण:-** पहाड़ी ढलानों का संरक्षण निम्नानुसार किया जाएगा:

(क) आंचलिक महायोजना में पहाड़ी ढलानों के उन क्षेत्रों को दर्शाया जाएगा जिनमें किसी भी संनिर्माण की अनुज्ञा नहीं होगी ।

(ख) जिन ढलानों या विद्यमान खड़ी पहाड़ी ढलानों में अत्यधिक भू-क्षरण होता है उनमें किसी भी संनिर्माण की अनुज्ञा नहीं होगी ।

(18) केन्द्र सरकार और राज्य सरकार, यदि आवश्यक समझें तो, इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभावी बनाने के लिए, अन्य उपाय विनिर्दिष्ट करेंगी।

4. पारिस्थितिकी संवेदी जोन में प्रतिषिद्ध या विनियमित किए जाने वाले क्रियाकलापों की सूची- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में सभी क्रियाकलाप, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) के उपबंधों और तटीय विनियमन जोन (सीआरजेड) अधिसूचना, 2011 एवं पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (ईआईए) अधिसूचना, 2006 सहित उसके अधीन बने नियमों और वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 (1980 का 69), भारतीय वन अधिनियम, 1927 (1927 का 16), वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (1972 का 53) सहित अन्य लागू नियमों तथा उनमें किए गए संशोधनों के अनुसार शासित होंगे और नीचे दी गई सारणी में विनिर्दिष्ट रीति से विनियमित होंगे, अर्थात्:-

सारणी

क्रम सं.	क्रियाकलाप	टिप्पणी
(1)	(2)	(3)
क. प्रतिषिद्ध क्रियाकलाप		
1.	वाणिज्यिक खनन ।	(क) स्थानीय निवासियों की वास्तविक घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए किए जाने वाले क्रियाकलापों, जिनमें घरों के निर्माण या मरम्मत और मकान बनाने एवं अन्य क्रियाकलापों के लिए देशी टाइलें या ईंटें बनाने हेतु जमीन की खुदाई शामिल है, को छोडकर सभी नई और वर्तमान (लघु एवं वृहद खनिज) पत्थर खोदने एवं तोड़ने वाली ईकाईयां तत्काल प्रभाव से निषिद्ध की जाती हैं ; (ख) खनन क्रियाकलाप, टी.एन. गोदावर्मन थिरूमलपाद बनाम भारत संघ के मामले में वर्ष 1995 की रिट याचिका (सिविल) सं 202 में दिनांक 4 अगस्त, 2006 तथा गोवा फाउंडेशन बनाम भारत संघ के मामले में वर्ष 2012 की रिट याचिका(सिविल) सं. 435 में दिनांक 21 अप्रैल, 2014 के माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुसार किए जाएंगे।
2.	प्रदूषण (जल, वायु, मृदा, ध्वनि आदि) उत्पन करने वाले उद्योगों की स्थापना ।	(क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में कोई नया उद्योग लगाने और वर्तमान प्रदूषणकारी उद्योगों का विस्तार करने की अनुज्ञा नहीं होगी। (ख) जब तक कि इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट न हो, पारिस्थितिकी संवेदी जोन में फरवरी, 2016 में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी दिशानिर्देशों में किए गए उद्योगों के वर्गीकरण के अनुसार केवल गैर- प्रदूषणकारी उद्योगों की स्थापना होगी। इसके अतिरिक्त, गैर-प्रदूषणकारी कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन दिया जाएगा।
3.	बड़ी ताप एवं जल विद्युत परियोजनाओं की स्थापना ।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे।
4.	किसी परिसंकटमय पदार्थ का प्रयोग या उत्पादन या प्रस्संकरण ।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे।
5.	प्राकृतिक जल निकायों या भूमि क्षेत्र में अनुपचारित बहिस्रावों का निस्सारण ।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे।
6.	नई आरा मिलों की स्थापना।	पारिस्थितिकी संवेदी जोन में नई आरा मिलों की स्थापना और विद्यमान आरा मिलों का विस्तार अनुज्ञात नहीं होगा ।
7.	जलावन लकड़ी का वाणिज्यिक उपयोग।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) ।
8.	पोलिथीन बैगों का प्रयोग ।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा ।
9.	ईंट भट्टों की स्थापना ।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे ।
ख.विनियमित क्रियाकलाप		

10.	होटलों और रिसोर्टों की वाणिज्यिक स्थापना ।	पारिस्थितिकी पर्यटन क्रियाकलापों हेतु लघु अस्थायी संरचनाओं के निर्माण के सिवाय, संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक, इनमें जो भी अधिक निकट हो, नए वाणिज्यिक होटलों और रिजॉटो की स्थापना अनुज्ञात नहीं होगी। परंतु, संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर बाहर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक, पर्यटन महायोजना और लागू दिशानिर्देशों के अनुसार इनमें जो भी अधिक निकट हो, सभी नए पर्यटन क्रियाकलाप करने या विद्यमान क्रियाकलापों का विस्तार करने की अनुज्ञा होगी ।
11.	संनिर्माण क्रियाकलाप ।	(क) संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक, इनमें जो भी अधिक निकट हो, किसी भी प्रकार के नये वाणिज्यिक संनिर्माण की अनुज्ञा नहीं होगी: (ख) परंतु स्थानीय लोगों को अपनी आवास सम्बन्धी निम्नलिखित आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, पैरा 3 के उप पैरा (1) में सूचीबद्ध क्रियाकलापों सहित अपने प्रयोग के लिए, अपनी भूमि में भवन उप-विधियों के अनुसार, संनिर्माण करने की अनुज्ञा होगी :- (i) विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना, उन्हें सुदृढ करना और नई सड़कों का संनिर्माण करना; (ii) बुनियादी ढांचों और नागरिक सुविधाओं का संनिर्माण और नवीकरण करना; (iii) फरवरी, 2016 में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा किए गए वर्गीकरण के अनुसार गैर- प्रदूषणकारी लघु उद्योगों की स्थापना ; (iv) ग्रामीण उद्योगों सहित कुटीर उद्योगों, सुविधा भण्डारों और ग्रह-वास सहित पारिस्थितिकी पर्यटन में सहायक स्थानीय सुविधाओं की व्यवस्था; और (v) इस अधिसूचना में सूचीबद्ध बढ़ावा दिए गए क्रियाकलाप । (ग) परन्तु गैर–प्रदूषणकारी लघु उद्योगों से संबंधित संनिर्माण क्रियाकलाप लागू नियमों और विनियमों, यदि कोई हों, के अनुसार सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति से विनियमित किए जाएंगे और वे न्यूनतम होंगे । (ध्) एक किलोमीटर क्षेत्र से आगे ये आंचलिक महायोजना के अनुसार विनियमित होंगे ।
12.	स्थानीय जनता द्वारा अपनायी जा रही वर्तमान कृषि और बागवानी पद्धतियों के साथ डेयरियां, दुग्ध उत्पादन, जल कृषि और मत्स्य पालन।	लागू विधियों के अधीन अनुज्ञात होंगे।
13.	फर्मों, कॉर्पोरेट, कंपनियों द्वारा बड़े पैमाने पर वाणिज्यिक पशुधन संपदा और कुक्कुट फार्मों की स्थापना ।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे ।
14.	गैर प्रदूषणकारी लघु उद्योग।	फरवरी, 2016 में केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी उद्योगों के वर्गीकरण के अनुसार गैर-प्रदूषणकारी उद्योग तथा अपरिसंकटमय लघु और सेवा उद्योग, कृषि, पुष्प कृषि, बागबानी या कृषि आधारित उद्योग, जो पारिस्थितिकी संवेदी जोन से देशी सामग्रियों से उत्पाद बनाते हैं, सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुज्ञात होंगे।
15.	वृक्षों की कटाई ।	(क) राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना वन भूमि या सरकार भूमि या राजस्व भूमि या निजी भूमि पर वृक्षों की कटाई की अनुज्ञा नहीं होगी । (ख) वृक्षों की कटाई केंद्रीय या संबंधित राज्य के अधिनियमों और उनके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अनुसार विनियमित होगी।
16.	वन उत्पादों और गैर काष्ठ वन उत्पादों (एनटीएफपी) का संग्रह ।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा ।

17.	विद्युत और संचार टॉवर लगाने, तार-बिछाने तथा अन्य बुनियादी ढांचे की व्यवस्था ।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा । भूमिगत केबल बिछाने को बढ़ावा दिया जाएगा।
18.	नागरिक सुविधाओं सहित बुनियादी ढांचे की व्यवस्था।	यह व्यवस्था लागू विधियों, नियमों, विनियमों और मौजूदा दिशानिर्देशों के अनुसार उपशमन उपायों के साथ की जाएगी।
19.	विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना, उन्हें सुदृढ बनाना और नई सड़कों का निर्माण करना।	ये कार्य लागू विधियों, नियमों, विनियमों और मौजूदा दिशानिर्देशों के अनुसार उपशमन उपायों के साथ किये जाएंगे।
20.	पर्यटन से संबंधित अन्य क्रियाकलाप जैसे कि पारिस्थितिकी संवेदी जोन क्षेत्र के ऊपर से गर्म वायु के गुब्बारे, हेलीकाप्टर, ड्रोन, माइक्रोलाइट्स उडाना आदि।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा ।
21.	पर्वतीय ढलानों और नदी तटों का संरक्षण ।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा ।
22.	रात्रि में सड़क यातायात का संचलन ।	लागू विधियों के अधीन वाणिज्यिक प्रयोजन के लिए विनियमित होगा ।
23.	प्राकृतिक जल निकायों या भू क्षेत्र में उपचारित अपशिष्ट जल/बहिर्स्राव का निस्सारण ।	जल निकायों में उपचारित अपशिष्ट जल/बहिर्स्राव के निस्सारण से बचा जाएगा। उपचारित अपशिष्ट जल के पुनर्चक्रण और पुन:उपयोग के प्रयास किए जाएंगे अन्यथा उपचारित अपशिष्ट जल/बहिर्स्राव का निस्सारण लागू विधियों के अनुसार विनियमित किया जाएगा।
24.	सतही और भूजल का वाणिज्यिक प्रयोग एवं निष्कर्षण ।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा ।
25.	कृषि या अन्य उपयोग के लिए खुले कुएं/ बोर कुएं आदि का निर्माण ।	समुचित प्राधिकारी द्वारा विनियमित किया जाएगा तथा क्रियाकलाप की सख्त निगरानी की जाएगी।
26.	ठोस अपशिष्ट का प्रबंधन/ जैव चिकित्सा अपशिष्ट ।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा ।
27.	विदेशी प्रजातियों को लाना ।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा ।
28.	वाणिज्यिक संकेत बोर्ड और होर्डिंग का प्रयोग ।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा ।
29.	पारिस्थितिकी पर्यटन।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा ।
		ग.संवर्धित क्रियाकलाप
30.	जैविक खेती।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
31.	सभी गतिविधियों के लिए हरित प्रौद्योगिकी का अंगीकरण।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
32.	वर्षा जल संचय ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
33.	ग्रामीण कारीगरी सहित कुटीर उद्योग।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
34.	नवीकरणीय ऊर्जा और ईंधन का प्रयोग ।	बायोगैस, सौर प्रकाश इत्यादि को सक्रिय बढ़ावा दिया जाएगा।
35.	कृषि वानिकी ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
36.	बागान लगाना और औषधीय पौधों का रोपण ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
37.	पारिस्थितिकी अनुकूल यातायात का प्रयोग ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
38.	कौशल विकास ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
39.	अवक्रमित भूमि/वनों/ पर्यावासों की बहाली ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
40.	पर्यावरण के प्रति जागरुकता।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।

5. मानीटरी समिति.- (1) केंद्रीय सरकार, प्रारूप अधिसूचना के प्रावधानों के प्रभावी मानीटरी के लिए एक मानीटरी समिति का इस अधिसूचना के तीन माह के अंतर्गत गठन करेगी जो निम्नलिखित से मिलकर बनेगी, अर्थात् :-

(i)	जिला मजिस्ट्रेट और कलेक्टर, हैदराबाद	-अध्यक्ष;
(ii)	राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का प्रतिनिधि	–सदस्य;
(iii)	राज्य सरकार द्वारा नामनिर्दिष्ट पर्यावरण के क्षेत्र में कार्य करने वाले गैर सरकारी संगठनों (जिसके अंतर्गत विरासत संरक्षण भी है) एक प्रतिनिधि ।	–सदस्य;
(iv)	तेलंगाना के वन और पर्यावरण विभाग द्वारा नामित एक प्रतिनिधि -	–सदस्य;
(v)	राज्य सरकार द्वारा मनोनीत जैव विविधता का एक विशेषज्ञ	–सदस्य;
(vi)	राज्य सरकार द्वारा मनोनीत पारिस्थितिकी और पर्यावरण का एक विशेषज्ञ	–सदस्य;
(vii)	क्षेत्र के वरिष्ठ नगर योजनाकार या मुख्य शहरी योजनाकार या शहर योजनाकार	–सदस्य;
(viii)	जिला वन अधिकारी, हैदराबाद	–सदस्य सचिव;

6.विचारार्थ विषय:- (i) निगरानी समिति इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुपालन की निगरानी करेगी।

(ii) निगरानी समिति का कार्यकाल तीन वर्ष तक या राज्य सरकार द्वारा नई समिति का पुनर्गठन किए जाने तक होगा और इसके बाद निगरानी समिति राज्य सरकार द्वारा गठित की जाएगी।

(iii) निगरानी समिति, इस अधिसूचना के पैरा-4 में दी गई सारणी में यथाविनिर्दिष्ट प्रतिषिद्ध क्रियाकलापों सहित पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा के अंतर्गत आने वाले उन क्रियाकलापों को अनुज्ञात नहीं करेगी जो भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचनाओं अर्थात् पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन अधिसूचना, 2006 सं.का.आ.1533 (अ), तारीख 14 सितंबर, 2006 और तटीय विनियम जोन अधिसूचना, 2011 सं.का.आ 19 (अ), तारीख 6 जनवरी, 2011 तथा इनमें किए गए परिवर्ती संशोधनों की अनुसूची के अंतर्गत आते हैं। केवल श्वेत श्रेणी के उद्योगों को ही केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा ''उद्योगों के वर्गीकरण, 2016'' के लिए जारी दिशानिर्देशों में विनिर्दिष्ट माना जाएगा।

(iv) वे क्रियाकलाप, जो भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचनाओं सं. का.आ. 1533(अ), तारीख 14 सितंबर, 2006 और का.आ. 19 (अ), तारीख 6 जनवरी, 2011 की अनुसूची के अंतर्गत नहीं आते हैं और जो पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा में आते हैं, उनकी, इस अधिसूचना के पैरा-4 में दी गई सारणी में यथा विनिर्दिष्ट प्रतिषिद्ध क्रियाकलापों के सिवाय, वास्तविक स्थल–विशिष्ट दशाओं के आधार पर निगरानी समिति द्वारा संवीक्षा करके उन्हें संबंधित विनियामक प्राधिकरणों को भेजा जाएगा।

(v) मानीटरी समिति का सदस्य-सचिव या संबद्ध उपायुक्त या संबंधित उपायुक्त ऐसे व्यक्ति के विरूद्ध, जो इस अधिसूचना के किसी उपबंध का उल्लंघन करता है, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 19 के अधीन परिवाद दायर करने के लिए सक्षम होगा।

(vi) निगरानी समिति का सदस्य-सचिव या संबंधित आयुक्त इस अधिसूचना के उपबंधों का उल्लंघन करने वाले किसी व्यक्ति के विरूद्ध पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 19 के अधीन शिकायत दर्ज करने के लिए सक्षम होगा ।

(vii) निगरानी समिति प्रत्येक वर्ष 31 मार्च की स्थिति के अनुसार अपनी वार्षिक कार्रवाई रिपोर्ट राज्य के मुख्य वन्यजीव वार्डन को, **उपाबंध III** में दिए गए प्रपत्र के अनुसार, उस वर्ष की 30 जून तक प्रस्तुत करेगी ।

(viii) केन्द्रीय सरकार का पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय निगरानी समिति को उसके कृत्यों के प्रभावी निर्वहन के लिए ऐसे निदेश दे सकेगा जो वह उचित समझे ।

7. इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभावी बनाने के लिए केंद्रीय सरकार और राज्य सरकार, अतिरिक्त उपाय, यदि कोई हों, विनिर्दिष्ट कर सकेंगी ।

8. इस अधिसूचना के उपबंध भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय या राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा पारित किए गए या पारित किए जाने वाले आदेश, यदि कोई हो, के अध्यधीन होंगे

[फा.सं. 25/54/2014-ईएसजेड-आरई]

डॉ. सतीश चन्द्र गढ़कोटी, वैज्ञानिक 'जी'

उपाबंध I

पारिस्थितिकी संवेदी जोन के साथ कासू ब्रह्मानंद रेड्डी राष्ट्रीय उद्यान, तेलंगाना का मानचित्र

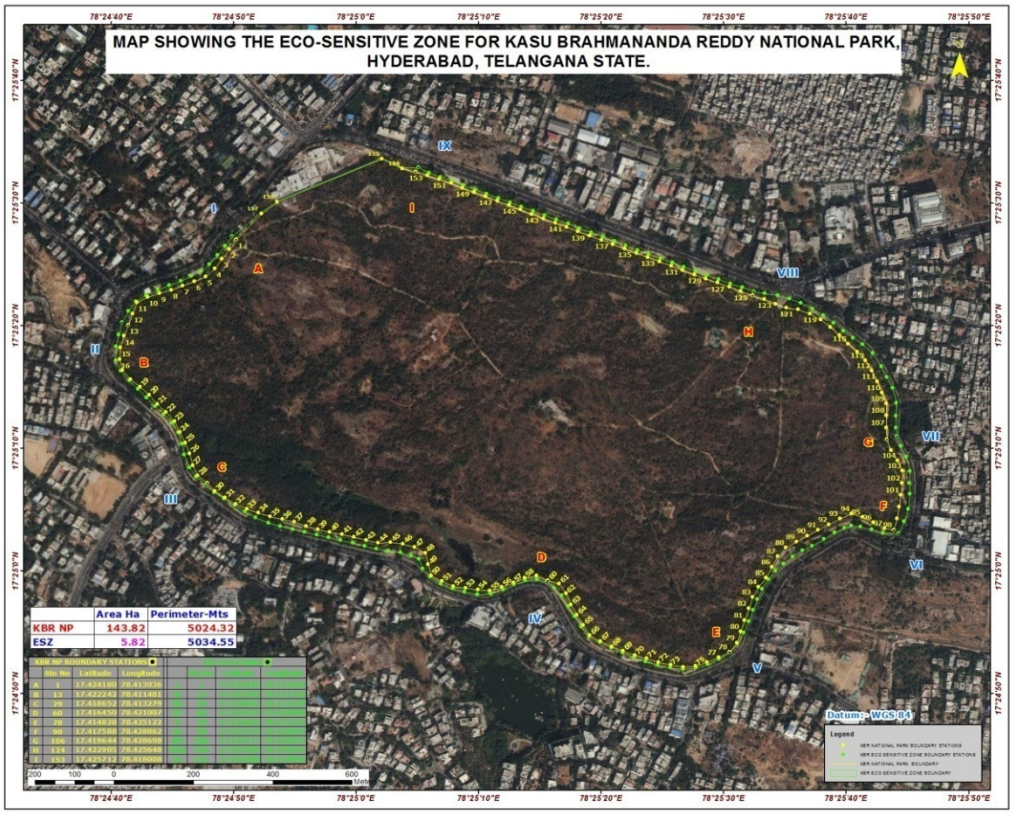

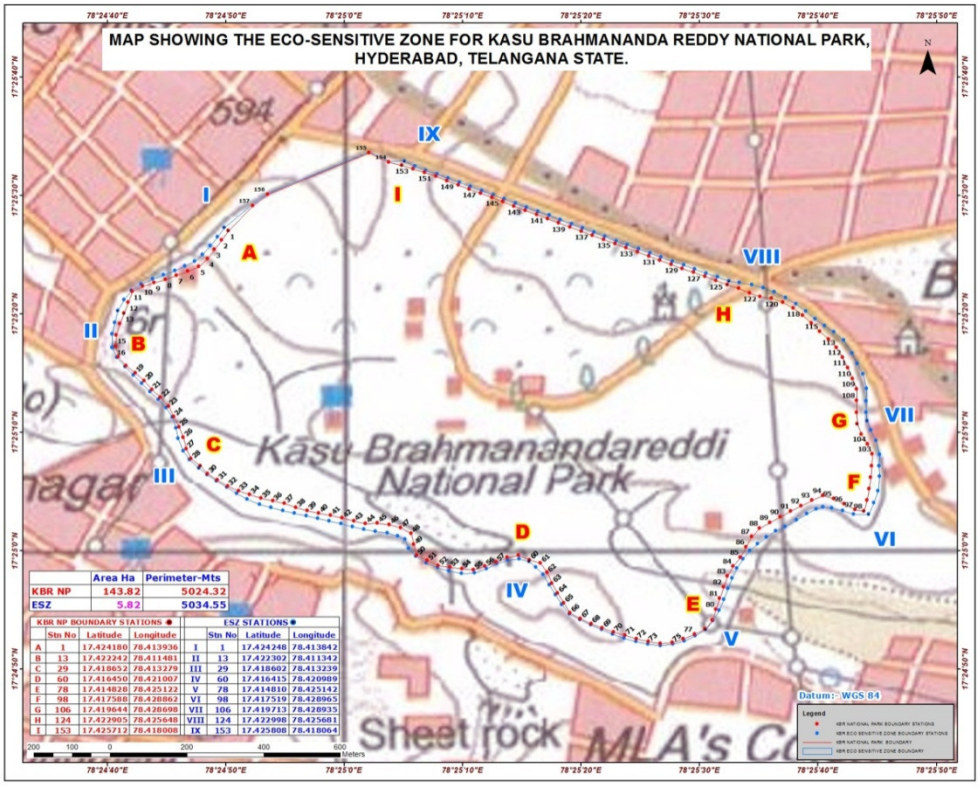

	Area Ha	Perimeter-Mts
KBR NP	143.82	5024.32
ESZ	5.82	5034.55

KBR NP BOUNDARY STATIONS	Stn No	Latitude	Longitude	ESZ STATIONS	Stn No	Latitude	Longitude
A	1	17.424180	78.413936	I	1	17.424248	78.413842
B	13	17.422242	78.411481	II	13	17.422302	78.411342
C	29	17.418652	78.413279	III	29	17.418602	78.413239
D	60	17.416450	78.421007	IV	60	17.416415	78.420989
E	78	17.414828	78.425122	V	78	17.414810	78.425142
F	98	17.417588	78.428862	VI	98	17.417519	78.428965
G	106	17.419644	78.428698	VII	106	17.419713	78.428935
H	124	17.422905	78.425648	VIII	124	17.422998	78.425681
I	153	17.425712	78.418008	IX	153	17.425808	78.418064

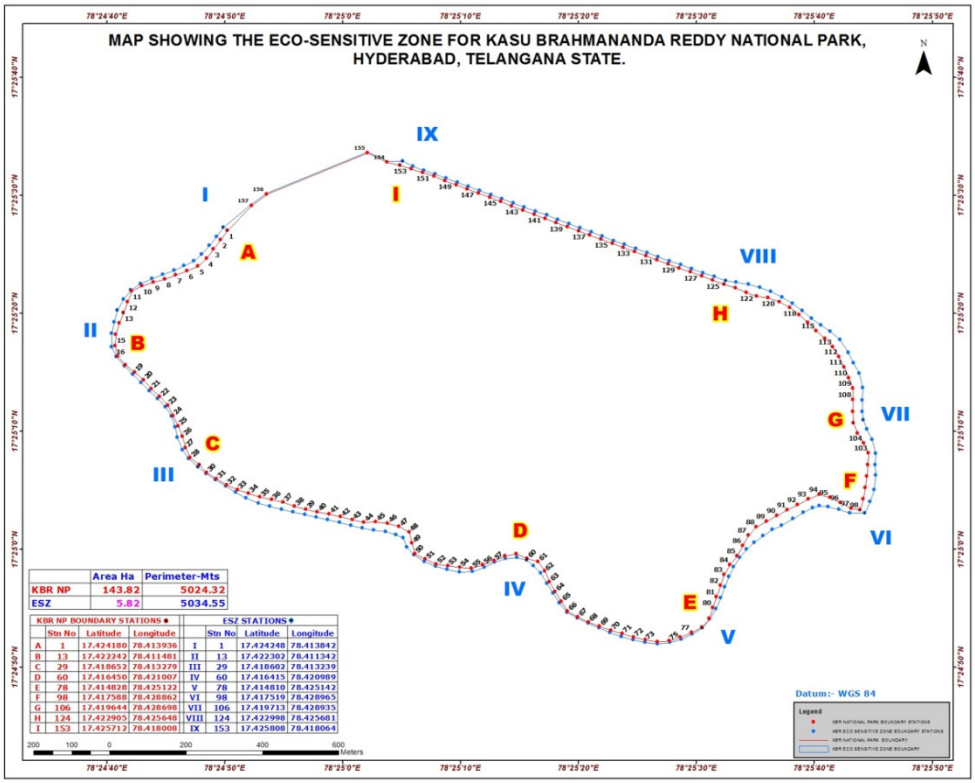

	Area Ha	Perimeter-Mts
KBR NP	143.82	5024.32
ESZ	5.82	5034.55

KBR NP BOUNDARY STATIONS	Stn No	Latitude	Longitude	ESZ STATIONS	Stn No	Latitude	Longitude
A	1	17.424180	78.413936	I	1	17.424248	78.413842
B	13	17.422242	78.411481	II	13	17.422302	78.411342
C	29	17.418652	78.413279	III	29	17.418602	78.413239
D	60	17.416450	78.421007	IV	60	17.416415	78.420989
E	78	17.414828	78.425122	V	78	17.414810	78.425142
F	98	17.417588	78.428862	VI	98	17.417519	78.428965
G	106	17.419644	78.428698	VII	106	17.419713	78.428935
H	124	17.422905	78.425648	VIII	124	17.422998	78.425681
I	153	17.425712	78.418008	IX	153	17.425808	78.418064

उपाबंध-II

कासू ब्रह्मानंद रेड्डी राष्ट्रीय उद्यान, तेलंगाना की सीमा के भू-निर्देशांक

क्र.सं	कासू ब्रह्मानंद रेड्डी राष्ट्रीय उद्यान मुख्य सीमा	
	अक्षांश	देशांतर
1	17.4241801	78.41393621
2	17.423959	78.41377303
3	17.423738	78.41360985
4	17.423517	78.41344667
5	17.4233343	78.41323886
6	17.4232241	78.41298424
7	17.4231282	78.41272041
8	17.4230329	78.41245634
9	17.4229542	78.41218634
10	17.4228733	78.41191709
11	17.4227506	78.4116754
12	17.422495	78.41158209
13	17.4222421	78.41148095
14	17.4219875	78.41138499
15	17.4217302	78.41129847
16	17.4214596	78.41128485
17	17.4212116	78.41134705
18	17.4210114	78.4115367
19	17.4208319	78.41174771
20	17.4206546	78.41196113
21	17.4204475	78.41213922
22	17.4202565	78.41233855
23	17.4200592	78.41252826
24	17.4198156	78.41265169
25	17.4195716	78.41277434
26	17.4193199	78.41287805
27	17.4190568	78.41294177
28	17.4188192	78.41305744
29	17.4186517	78.41327873
30	17.4184707	78.41344719
31	17.4183293	78.413681
32	17.4181801	78.41391648

33	17.4180712	78.41417225
34	17.417979	78.41443693
35	17.4178923	78.41470424
36	17.4178298	78.41497755
37	17.4177716	78.41525279
38	17.4176833	78.41551935
39	17.4176033	78.41578869
40	17.417545	78.41605998
41	17.4174931	78.41633527
42	17.4174276	78.41660907
43	17.4173552	78.41688094
44	17.4173009	78.41715537
45	17.4173123	78.4174367
46	17.4172715	78.41771437
47	17.4171967	78.41798556
48	17.4170693	78.41822163
49	17.4168074	78.41828775
50	17.4165567	78.41835832
51	17.4164297	78.41860761
52	17.4163143	78.41886121
53	17.4162734	78.4191366
54	17.4162348	78.41941444
55	17.4162131	78.419694
56	17.4162988	78.41996108
57	17.4163991	78.42022216
58	17.4165119	78.42047794
59	17.4165567	78.42075401
60	17.4164496	78.42100652
61	17.4163763	78.42126534
62	17.4161492	78.42141757
63	17.415902	78.42153308
64	17.4156627	78.42166341
65	17.415431	78.42180936
66	17.4152063	78.42195973
67	17.4150673	78.42220199
68	17.4149479	78.42245399

69	17.414851	78.42271751
70	17.4147544	78.42298117
71	17.4146765	78.42325141
72	17.4145927	78.42351978
73	17.4145277	78.42379357
74	17.4144878	78.42407188
75	17.4145085	78.42435312
76	17.4145981	78.42461673
77	17.4147053	78.42487592
78	17.4148281	78.42512182
79	17.4150361	78.4252903
80	17.4152921	78.42538254
81	17.4155498	78.42546977
82	17.4158067	78.42555921
83	17.416062	78.42565353
84	17.4162984	78.42578605
85	17.4165096	78.4259595
86	17.4167495	78.42609063
87	17.4169897	78.42622097
88	17.4171843	78.42640518
89	17.4173194	78.4266497
90	17.4174534	78.42689503
91	17.4175875	78.42714024
92	17.4177192	78.42738681
93	17.4178493	78.42763436
94	17.4179563	78.42789361
95	17.4178846	78.42814541
96	17.417759	78.42839442
97	17.4176339	78.42864375
98	17.4175881	78.42886203
99	17.4178512	78.42892962
100	17.4181183	78.42897573
101	17.4183866	78.42901443
102	17.4186569	78.42903349
103	17.4189269	78.42905658
104	17.4191646	78.42894358

105	17.4193925	78.42879093
106	17.4196436	78.42869765
107	17.4199124	78.4286806
108	17.4201833	78.42868523
109	17.4204542	78.42868854
110	17.4207035	78.42858959
111	17.4209515	78.42847595
112	17.4211985	78.42836016
113	17.4214301	78.42821504
114	17.4216296	78.42802729
115	17.421812	78.4278189
116	17.4220035	78.42761923
117	17.4221923	78.4274169
118	17.4223626	78.42719975
119	17.4224923	78.42695194
120	17.4225947	78.4266914
121	17.4226282	78.42641841
122	17.4227148	78.4261752
123	17.4228184	78.42591474
124	17.4229053	78.42564765
125	17.4229998	78.42538317
126	17.4230981	78.42512019
127	17.4231941	78.42485629
128	17.4232905	78.42459254
129	17.4233866	78.42432869
130	17.4234846	78.42406558
131	17.4235837	78.42380302
132	17.4236804	78.42353956
133	17.4237772	78.42327597
134	17.4238758	78.42301311
135	17.42397	78.4227485
136	17.4240626	78.42248339
137	17.4241596	78.42221988
138	17.4242558	78.42195607
139	17.4243532	78.42169269
140	17.4244579	78.42143343

141	17.4245528	78.42116998
142	17.4246518	78.42090749
143	17.4247504	78.42064466
144	17.4248528	78.42038338
145	17.4249525	78.42012096
146	17.4250507	78.41985828
147	17.4251514	78.4195963
148	17.4252513	78.41933398
149	17.4253496	78.41907101
150	17.4254497	78.41880875
151	17.4255385	78.41854248
152	17.4256264	78.41827569
153	17.4257115	78.41800838
154	17.425788	78.417699
155	17.426001	78.417243
156	17.425027	78.414855
157	17.424765	78.414502

कासू ब्रह्मानंद रेड्डी राष्ट्रीय उद्यान, तेलंगाना की सीमा के पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भू-निर्देशांक

क्र.सं.	पारिस्थितिकी संवेदी जोन सीमा निर्देशांक	
	अक्षांश	**देशांतर**
1	17.42424769	78.41384223
2	17.42403067	78.41367283
3	17.42382327	78.41351195
4	17.4236183	78.41333032
5	17.42345148	78.41314002
6	17.4233422	78.41291316
7	17.42323519	78.41267296
8	17.42313593	78.41241462
9	17.42303878	78.41215246
10	17.4229186	78.4118866
11	17.42277337	78.41166009
12	17.42255889	78.41148756
13	17.42230155	78.41134171
14	17.42202039	78.41126704

15	17.42174876	78.41120493
16	17.42142719	78.41120721
17	17.42119678	78.41131163
18	17.42098183	78.41150445
19	17.42078651	78.41169914
20	17.42059305	78.41189523
21	17.42040097	78.41209008
22	17.42020914	78.41228686
23	17.42001438	78.41247118
24	17.41979455	78.41261526
25	17.41954863	78.41270679
26	17.41929949	78.41275327
27	17.41901127	78.41287219
28	17.41879735	78.41302399
29	17.41860232	78.41323863
30	17.41844933	78.41342985
31	17.41830006	78.4136591
32	17.4181468	78.4138929
33	17.41800286	78.41412684
34	17.41786642	78.41436855
35	17.41774818	78.41466163
36	17.41767343	78.41493797
37	17.41760953	78.41521206
38	17.41754632	78.41548495
39	17.41748298	78.41575846
40	17.41742038	78.41602866
41	17.41735727	78.41630113
42	17.41729374	78.41657542
43	17.41723025	78.41684955
44	17.41716722	78.41712177
45	17.41711913	78.41738816
46	17.41707836	78.41766567
47	17.41701076	78.41791258
48	17.41693038	78.41807369
49	17.41670849	78.41816411
50	17.41652683	78.418337

51	17.41637623	78.4185823
52	17.41626816	78.41884522
53	17.41618747	78.41911565
54	17.41613238	78.41940424
55	17.41614438	78.41971564
56	17.41624416	78.41998897
57	17.41635924	78.42024112
58	17.41644145	78.42049156
59	17.4164733	78.42075552
60	17.4164154	78.42098919
61	17.41626959	78.42115282
62	17.41610078	78.4213263
63	17.41586429	78.42146234
64	17.41562966	78.42160832
65	17.41539215	78.42176588
66	17.41518372	78.42194409
67	17.41504306	78.4221894
68	17.41492379	78.42244118
69	17.41480937	78.42269873
70	17.41470127	78.42296059
71	17.4146065	78.42322956
72	17.41452891	78.42350422
73	17.41446854	78.42378531
74	17.41443867	78.42407503
75	17.41446637	78.42436552
76	17.41455013	78.42463989
77	17.41467059	78.42489687
78	17.41480961	78.42514249
79	17.41502166	78.4253142
80	17.41526038	78.42545322
81	17.41551663	78.42556915
82	17.41577295	78.42566157
83	17.41601871	78.42575569
84	17.41625004	78.42586966
85	17.41646872	78.42601321
86	17.41666351	78.42617774

87	17.41682579	78.42635157
88	17.41698448	78.42656436
89	17.41712368	78.42678266
90	17.41722701	78.42700192
91	17.41738142	78.42727707
92	17.41752975	78.42751529
93	17.41763964	78.42773928
94	17.41768723	78.42788971
95	17.4176652	78.42809452
96	17.41760856	78.42835952
97	17.41751656	78.42861712
98	17.41751924	78.42896452
99	17.41779219	78.42908735
100	17.41806926	78.42918929
101	17.41840308	78.42922597
102	17.41865682	78.42921504
103	17.41892445	78.4292171
104	17.41924765	78.42914011
105	17.4194983	78.42901617
106	17.41971339	78.42893466
107	17.41990932	78.42890127
108	17.42017288	78.42890817
109	17.42046367	78.42891329
110	17.42080942	78.42883495
111	17.42105603	78.42870321
112	17.42130229	78.42857649
113	17.42159742	78.42837749
114	17.42179431	78.42815057
115	17.42194928	78.42792719
116	17.42210746	78.42771149
117	17.42228577	78.42749137
118	17.42245196	78.42726176
119	17.4226042	78.42701946
120	17.42274263	78.42674374
121	17.42283373	78.42649003
122	17.42290412	78.42622108

123	17.422961	78.42593196
124	17.42299795	78.4256806
125	17.42308565	78.42541658
126	17.4231804	78.4251521
127	17.42327483	78.42488719
128	17.42336821	78.42462192
129	17.42346076	78.42435852
130	17.42355825	78.42409414
131	17.42365268	78.42382977
132	17.42374709	78.42356539
133	17.42384156	78.4233009
134	17.42393627	78.42303794
135	17.42403567	78.42277567
136	17.42413555	78.42251356
137	17.4242355	78.42225127
138	17.42433547	78.42198951
139	17.42443673	78.42172783
140	17.42453766	78.42146423
141	17.4246316	78.42120128
142	17.424728	78.42093776
143	17.42482451	78.42067408
144	17.42492096	78.42041023
145	17.42501674	78.42014591
146	17.42511123	78.41988162
147	17.42520801	78.4196185
148	17.42530793	78.41935617
149	17.42540634	78.41909291
150	17.42550632	78.41883087
151	17.42559447	78.41856641
152	17.42568897	78.41830832
153	17.42580759	78.4180636
154	17.425815	78.41471
155	17.426033	78.417243
156	17.425053	78.414843
157	17.424786	78.414483

उपाबंध-III

पारिस्थितिकी संवेदी जोन की निगरानी समिति-की गई कार्रवाई सम्बन्धी रिपोर्ट का प्रपत्र

1. बैठकों की संख्या और तारीख ।
2. बैठकों का कार्यवृत : कृपया मुख्य उल्लेखनीय बिंदुओं का वर्णन करें । बैठक के कार्यवृत को एक पृथक उपाबंध में प्रस्तुत करें ।
3. पर्यटन महायोजना सहित आंचलिक महायोजना की तैयारी की स्थिति ।
4. भू-अभिलेखों की स्पष्ट त्रुटियों के सुधार के लिए निबटाए गए मामलों का सार। विवरण उपाबंध के रुप में संलग्न करें।
5. पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन अधिसूचना, 2006 के अधीन आने वाली गतिविधियों से संबंधित संवीक्षा किए गए मामलों का सार । विवरण एक पृथक उपाबंध के रूप में संलग्न करें ।
6. पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन अधिसूचना, 2006 के अधीन न आने वाली गतिविधियों से संबंधित संवीक्षा किए गए मामलों का सार । विवरण एक पृथक उपाबंध के रूप में संलग्न करें ।
7. पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 19 के अधीन दर्ज की गई शिकायतों का सार ।
8. कोई अन्य महत्वपूर्ण मामला ।

MINISTRY OF ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th October, 2018

S.O. 5646(E).—In supersession of Ministry's draft notification S.O. 3496(E), dated 18th December, 2015, the following draft of the notification, which the Central Government proposes to issue in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with clause (v) and clause (xiv) of sub-section (2) and sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986) is hereby published, as required under sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, for the information of the public likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft notification shall be taken into consideration on or after the expiry of a period of sixty days from the date on which copies of the Gazette containing this notification are made available to the public;

Any person interested in making any objections or suggestions on the proposals contained in the draft notification may forward the same in writing, for consideration of the Central Government within the period so specified to the Secretary, Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Indira Paryavaran Bhawan, Jorbagh Road, Aliganj, New Delhi-110003, or send it to the e-mail address of the Ministry at esz-mef@nic.in.

Draft Notification

WHEREAS, the Kasu Brahmanda Reddy (KBR) National Park is located in a densely populated residential and commercial area in Metropolitan City of Hyderabad, Telangana with an area of 1.42 square kilo meters.

AND WHEREAS, the said National Park acts as a vast carbon sink for the rapidly developing city of Hyderabad and stands as the last vestige of the flora, fauna and unique rock formations representing the rich bio-diversity of Deccan Plateau, which includes more than 600 plant species, 133 bird species, 20 Mammal species, 20 species of Reptiles and Amphibians.

AND WHEREAS, neither Forest Area nor any open area is existing all around the National Park and only Walk Way Garden of a width of 25 to 35 Meters developed by Hyderabad Metropolitan Development Authority (HMDA) is available as open space around the National Park;

AND WHEREAS, it is necessary to conserve and protect the area, it is proposed that, the extent and boundaries of which is specified in Paragraph 1 of this notification with minimum width of 3 meters and maximum width of 29.80 meters at different locations all around the Kasu Brahmananda Reddy National Park is notified as Eco-sensitive Zone from ecological and environmental point of view and to prohibit industries or class of industries and their operations and processes in the said Eco-sensitive Zone.

AND WHEREAS, it is necessary to conserve and protect the area around the protected area of Kasu Brahmanda Reddy National Parkas eco-sensitive zone from ecological and environmental point of view;

NOW THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section(1) and clauses (v) and (xiv) of sub-section (2) and sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act 1986 (29 of 1986) read with sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, the Central Government hereby notifies an area with an extent of 3 meters to 29.80 meters around the boundary of Kasu Brahmanda Reddy National Parkin the State of Telangana as the Kasu Brahmanda Reddy National Park Eco-sensitive Zone (herein after referred to as the Eco-sensitive Zone) details of which are as under, namely:-

1. **Extent and boundaries of Eco-sensitive Zone**.-(1) The total area of the eco-sensitive zone of Kasu Brahmanda Reddy (KBR) National Park is0.0582 square kilo meters. The extent of Eco-sensitive Zone varies from 3 meters to 29.80 meters.

(2)The map of the Eco-sensitive Zone boundary along with boundary descriptionis at **Annexure I;**

(3) The list of geo co-ordinates of the boundary of the Protected Area and the Eco-Sensitive Zone is at **Annexure II**;

(4) There is no habitations / villages within the Kasu Brahmanda Reddy (KBR) National Park Eco-sensitive zone.

2. Zonal Master Plan for the Eco-sensitive Zone.- (1) The State Government shall, for the purpose of the Eco-sensitive Zone prepare, a Zonal Master Plan, within a period of two years from the date of publication of final notification in the Official Gazette, in consultation with local people and adhering to the stipulations given in this notification for approval of Competent Authority in the State Government.

(2) The Zonal Master Plan for the Eco-sensitive Zone shall be prepared by the State Government in such manner as is specified in this notification and also in consonance with the relevant Central and State laws and the guidelines issued by the Central Government, if any.

(3) The Zonal Master Plan shall be prepared in consultation with the following State Departments, for integrating the ecological and environmental considerations into the said plan:

(i) Environment;
(ii) Forest and Wildlife;
(iii) Agriculture and Horticulture;
(iv) Revenue;
(v) Urban Development;
(vi) Tourism including eco-tourism;
(vii) Rural Development;
(viii) Irrigation and Flood Control;
(ix) Municipal and Urban Development;
(x) Panchayati Raj, and
(xi) Public Works Department.

(4) The Zonal Master Plan shall not impose any restriction on the approved existing land use, infrastructure and activities, unless so specified in this notification and the Zonal Master Plan shall factor in improvement of all infrastructure and activities to be more efficient and eco-friendly.

(5) The Zonal Master Plan shall provide for restoration of denuded and degraded areas, conservation of existing water bodies, management of catchment areas, watershed management, groundwater management, soil and moisture conservation, needs of local community and such other aspects of the ecology and environment that need attention.

(6) The Zonal Master Plan shall demarcate all the existing worshipping places, villages and urban settlements, types and kinds of forests, agricultural areas, fertile lands, green area, such as, parks and like places, horticultural areas, orchards, lakes and other water bodies and also with supporting maps. The Plan shall be supported by Maps giving details of existing and proposed land use features.

(7) The Zonal Master Plan shall regulate development in Eco-sensitive Zone and adhere to prohibited, regulated activities listed in Table and also ensure and promote eco-friendly development for livelihood security of local communities.

(8) The Zonal Master Plan shall be co-terminus with the Regional Development Plan.

(9) The Zonal Master Plan so approved shall be the reference document for the Monitoring Committee for carrying out its functions of monitoring in accordance with the provisions of this notification.

3. Measures to be taken by State Government.-The State Government shall take the following measures for giving effect to the provisions of this notification, namely:-

(1) **Land use.—**The State Government shall take the following measures for giving effect to the provisions of this notification, namely:-

(a) Forests, horticulture areas, agricultural areas, parks and open spaces earmarked for recreational purposes in the Eco-sensitive Zone shall not be used or converted into areas for major commercial or major residential complex or industrial activities.

(b) Provided that the conversion of agricultural and other lands, for the purpose other than that specified at part (a), within the Eco-sensitive Zone may be permitted on the recommendation of the Monitoring Committee, and with the prior approval of the competent authority under Regional Town Planning Act and other rules and regulationsof Central/State Government as applicable and vide provisions of this Notification, to meet the residential needs of the local residents such as:

  (i) Widening and strengthening of existing roads and construction of new roads;

  (ii) Construction and renovation of infrastructure and civic amenities;

  (iii) Small scale industries not causing pollution;

  (iv) Cottage industries including village industries; convenience stores and local amenities supporting eco-tourism including home stay; and

  (v) Promoted activities and given under para 4.

(c) Provided further that no use of tribal land shall be permitted for commercial and industrial development activities without the prior approval of the competent authority under Regional Town Planning Act and other rules and regulations of State Government and without compliance of the provisions of article 244 of the Constitution or the law for the time being in force, including the Scheduled Tribes and other Traditional Forest Dwellers (Recognition of Forest Rights) Act, 2006 (2 of 2007):

(d) Provided also that any error appearing in the land records within the Eco-sensitive Zone shall be corrected by the State Government, after obtaining the views of Monitoring Committee, once in each case and the correction of said error shall be intimated to the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change:

(e) Provided also that the above correction of error shall not include change of land use in any case except as provided under this sub-paragraph.

(f) Efforts shall be made to reforest the unused or unproductive agricultural areas with afforestation and habitat and biodiversity restoration activities.

(2) **Natural Springs.-**The catchment areas of all natural springs/rivers/ channels shall be identified and plans for their conservation and rejuvenation shall be incorporated in the Zonal Master Plan.

(3)**Tourism**/**Eco-Tourism.-**(a) All new eco-tourism activities or expansion of existing tourism activities within the Eco-Sensitive Zone shall be as per the Tourism Master Plan for the Eco-sensitive Zone.

(b)The Eco-Tourism Master Plan shall be prepared by Department of Tourism in consultation with State Departments of Environment and Forests.

(c) The Tourism Master Plan shall form a component of the Zonal Master Plan.

(d) The activities of eco-tourism shall be regulated as under, namely:-

(i) No new construction of hotels and resorts shall be allowed within 1 km from the boundary of the National Park or upto the extent of the Eco-sensitive Zone whichever is nearer. However, beyond the distance of 1 km from the boundary of the Wildlife Sanctuary till the extent of the Eco-sensitive Zone, the establishment of new hotels and resorts shall be allowed only in pre-defined and designated areas for Eco-tourism facilities as per Tourism Master Plan.

(ii) all new tourism activities or expansion of existing tourism activities within the Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the guidelines issued by the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change and the eco-tourism guidelines issued by National Tiger Conservation Authority (as amended from time to time) with emphasis on eco-tourism;

(iii) Until the Zonal Master Plan is approved, development for tourism and expansion of existing tourism activities shall be permitted by the concerned regulatory authorities based on the actual site specific scrutiny and recommendation of the Monitoring Committee and no new hotel /resort or commercial establishment construction is permitted within ESZ area.

(4) **Natural Heritage.-** All sites of valuable natural heritage in the Eco-sensitive Zone, such as the gene pool reserve areas, rock formations, waterfalls, springs, gorges, groves, caves, points, walks, rides, cliffs, etc. shall be identified and a heritage conservation plan shall be drawn up for their preservation and conservation as a part of the Zonal Master Plan.

(5) **Man-made heritage sites.-** Buildings, structures, artefacts, areas and precincts of historical, architectural, aesthetic, and cultural significance shall be indentified in the Eco-sensitive Zone and heritage conservation plan for their conservation shall be prepared as part Zonal Master Plan.

(6) **Noise pollution.-** The Environment Department of the State Government orState Pollution Control Board shall implement the regulations for control of noise pollution in the Eco-sensitive Zone in accordance with the provisions stipulated of The Noise Pollution (Regulation And Control) Rules, 2000 under the Environment (Protection) Act, 1986.

(7) **Air pollution.-** Prevention and control of air pollution in the Eco-sensitive Zone shall be complied with in accordance with the provisions of the Air (Prevention and Control of Pollution) Act, 1981 (14 of 1981) and rules made thereunder and amendments thereto.

(8) **Discharge of effluents.-** Discharge of treated effluent in Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the provisions of the General Standards for Discharge of Environmental Pollutants covered under the Environmental (Protection) Act, 1986 and rules made thereunder or standards stipulated by State Government whichever is more stringent.

(9) **Solid wastes. -**Disposal and Management of solid wastes shall be as under:-

(a) the solid waste disposal and management in Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the Solid Waste Management Rules, 2016 and published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forests and Climate Change vide notification number

S.O. 1357 (E), dated 8th April, 2016 as amended from time to time; the inorganic material may be disposed in an environmental acceptable manner at site identified outside the Eco-sensitive Zone;

(b) Safe and Environmentally Sound Management (ESM) of Solid wastes in conformity with the existing rules and regulations using identified technologies may be allowed within Eco-Sensitive Zone.

(10) **Bio-medical waste.-**Bio medical waste management shall be as under:

(a) The bio-medical waste disposal in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the Bio-Medical Waste Management Rules, 2016 published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change vide Notification number GSR 343 (E), dated the 28th March, 2016 as amended from time to time.

(b) Safe and Environmentally Sound Management (ESM) of Bio-medical wastes in conformity with the existing rules and regulations using identified technologies may be allowed within Eco-Sensitive Zone.

(11) **Plastic Waste Management**.- The Plastic Waste Management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Plastic Waste Management Rules, 2016 published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change vide notification number G.S.R. 340(E), dated the 18th March, 2016, as amended from time to time.

(12) **Construction and Demolition Waste Management**.- The Construction and Demolition Waste Management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Construction and Demolition Waste Management Rules, 2016 published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change vide notification number G.S.R. 317(E), dated the 29th March, 2016, as amended from time to time.

(13) **E-waste**.- The E- Waste Management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the E-Waste Management Rules, 2016 published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change and as amended from time to time.

(14) **Vehicular traffic**. - The vehicular movement of traffic shall be regulated in a habitat friendly manner and specific provisions in this regard shall be incorporated in the Zonal Master Plan and till such time as the Zonal Master plan is prepared and approved by the Competent Authority in the State Government, the Monitoring Committee shall monitor compliance of vehicular movement under the relevant Acts and the rules and regulations made thereunder.

(15) **Vehicular Pollution.-** Prevention and control of Vehicular Pollution shall be complied with in accordance with applicable laws. Efforts to be made for use of cleaner fuel for example CNG, LPG, etc.

(16) **Industrial Units.-** (i) On or after the publication of this notification in the Official Gazette, no new polluting industries shall be allowed to be set up within the Eco-sensitive Zone.

(ii) Only non-polluting industries shall be allowed within ESZ as per classification of Industries in the Guidelines issued by Central Pollution Control Board in February 2016, unless so specified in this notification. In addition, non-polluting cottage industries shall be promoted.

(17) **Protection of Hill Slopes:** The protection of hill slopes shall be as under:

(a) The Zonal Master Plan shall indicate areas on hill slopes where no construction shall be permitted.

(b) No construction on existing steep hill slopes or slopes with a high degree of erosion shall be permitted.

(18) The Central Government and the State Government shall specify other additional measures, if it considers necessary, in giving effect to the provisions of this notification.

4. List of activities prohibited or to be regulated or promoted within the Eco-sensitive Zone.- All activities in the Eco sensitive Zone shall be governed by the provisions of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986) and the rules made there under including the Coastal Regulation Zone (CRZ), 2011 and the Environmental Impact Assessment (EIA) Notification,

2006 and other applicable laws including the Forest (Conservation) Act, 1980 (69 of 1980), the Indian Forest Act, 1927 (16 of 1927), the Wildlife (Protection) Act 1972 (53 of 1972), and amendments made thereto and be regulated in the manner specified in the Table below, namely:-

Sl. No.	Activity	Remarks
(1)	(2)	(3)
Prohibited activities		
1.	Commercial Mining.	(a) All new and existing Mining (minor and major minerals), stone quarrying and crushing units are prohibited with immediate effect except for meeting the domestic needs of bona fide local residents including digging of earth for construction or repair of houses and for manufacture of country tiles or bricks for housing and for other activities. (b) The mining operations shall be carried out in accordance with the order of the Hon'ble Supreme Court dated 04.08.2006 in the matter of T.N. Godavarman Thirumulpad Vs. UOI in W.P.(C) No.202 of 1995 and dated 21.04.2014 in the matter of Goa Foundation Vs. UOI in W.P.(C) No.435 of 2012.
2.	Setting of industries including new oil and gas exploration causing pollution (Water, Air, Soil, Noise, etc.).	(a) No new industries and expansion of existing polluting industries in the Eco-sensitive zone shall be permitted. (b) Only non-polluting industries shall be allowed within ESZ as per classification of Industries in the Guidelines issued by Central Pollution Control Board in February 2016, unless so specified in this notification. In addition, non-polluting cottage industries shall be promoted.
3.	Establishment of major thermal and major hydroelectric projects.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws.
4.	Use or production or processing of any hazardous substances.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws.
5.	Discharge of untreated effluents in natural water bodies or land area.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws.
6.	Setting of new saw mills and wood based industries.	No new or expansion of existing saw mills shall be permitted within the Eco-sensitive Zone.
7.	Commercial use of firewood.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws.
8.	Use of plastic bags.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws.
9.	Setting up of brick kilns.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws

Regulated activities		
10.	Commercial establishment of hotels and resorts.	No new commercial hotels and resorts shall be permitted within one kilometre of the boundary of the Protected Area or upto the extent of Eco-sensitive zone, whichever is nearer, except for small temporary structures for Eco-tourism activities. Provided that, beyond one kilometre from the boundary of the protected Area or upto the extent of Eco-sensitive zone whichever is nearer, all new tourist activities or expansion of existing activities shall be in conformity with the Tourism Master Plan and guidelines as applicable.
11.	Construction activities.	(a) No new commercial construction of any kind shall be permitted within one Kilometre from the boundary of the Protected Area or upto extent of the Eco-sensitive Zone whichever is nearer: (b) Provided that, local people shall be permitted to undertake construction in their land for their use including the activities listed in sub paragraph (1) of paragraph 3 as per building byelaws to meet the residential needs of the local residents such as: (i) Widening and strengthening of existing roads and construction of new roads; (ii) Construction and renovation of infrastructure and civic amenities; (iii) Small scale industries not causing pollution termed as per Classification done by Central Pollution Control Board of February 2016; (iv) Cottage industries including village industries; convenience stores and local amenities supporting eco-tourism including home stays; and (v) Promoted activities listed in this Notification. (c) Provided that the construction activity related to small scale industries not causing pollution shall be regulated and kept at the minimum, with the prior permission from the competent authority as per applicable rules and regulations, if any. (d) Beyond one kilometre it shall be regulated as per the Zonal Master Plan.
12.	Ongoing agriculture and horticulture practices by local communities along with dairies, dairy farming, aquaculture and fisheries.	Permitted under applicable laws for use of locals.

13.	Establishment of large scale commercial livestock and poultry farms by firms, corporate, companies.	Regulated under applicable laws.
14.	Small scale non polluting industries.	Non polluting industries as per classification of industries issued by the Central Pollution Control Board in February 2016 and non-hazardous, small-scale and service industry, agriculture, floriculture, horticulture or agro-based industry producing products from indigenous materials from the Eco-sensitive Zone shall be permitted by the competent Authority.
15.	Felling of Trees.	(a) There shall be no felling of trees on the forest or Government or revenue or private lands without prior permission of the competent authority in the State Government. (b) The felling of trees shall be regulated in accordance with the provisions of the concerned Central or State Act and the rules made thereunder.
16.	Collection of Forest produce or Non-Timber Forest Produce (NTFP).	Regulated under applicable laws.
17.	Erection of electrical and communication towers and laying of cables and other infrastructures.	Regulated under applicable laws. Underground cabling may be promoted.
18.	Infrastructure including civic amenities.	Shall be done with mitigation measures, as per applicable laws, rules and regulation and available guidelines.
19.	Widening and strengthening of existing roads and construction of new roads.	Shall be done with mitigation measures, as per applicable laws, rules and regulation and available guidelines.
20.	Under taking other activities related to tourism like over flying the ESZ area by hot air balloon, helicopter, drones, Microlites, etc.	Regulated under applicable laws.
21.	Protection of Hill Slopes and river banks.	Regulated under applicable laws.
22.	Movement of vehicular traffic at night.	Regulated for commercial purpose under applicable laws.
23.	Discharge of treated waste water/effluents in natural water bodies or land area.	The discharge of treated waste water/effluents shall be avoided to enter into the water bodies. Efforts to be made for recycle and reuse of treated waste water. Otherwise the discharge of treated waste water/effluent shall be regulated as per applicable laws.
24.	Commercial use and extraction of surface and ground water.	Regulated under applicable laws.

25.	Open Well, Bore Well etc. for agriculture or other usage.	Regulated and the activity should be strictly monitored by the appropriate authority.
26.	Solid Waste Management /Bio-medical Waste Management.	Regulated under applicable laws.
27.	Introduction of Exotic species.	Regulated under applicable laws.
28.	Use of Commercial Sign boards and hoardings.	Regulated under applicable laws.
29.	Eco-tourism.	Regulated under applicable laws
Promoted activities		
30.	Organic farming.	Shall be actively promoted.
31.	Adoption of green technology for all activities.	Shall be actively promoted.
32.	Rain water harvesting.	Shall be actively promoted.
33.	Cottage industries including village artisans.	Shall be actively promoted.
34.	Use of renewable energy and fuels.	Bio gas, solar light etc. to be actively promoted .
35.	Agro Forestry.	Shall be actively promoted.
36.	Plantation of Horticulture and Herbals .	Shall be actively promoted.
37.	Use of eco-friendly transport.	Shall be actively promoted.
38.	Skill Development.	Shall be actively promoted.
39.	Restoration of Degraded Land/ Forests/ Habitat.	Shall be actively promoted.
40.	Environmental Awareness .	Shall be actively promoted.

5. Monitoring Committee.- The Central Government hereby within three months of this Notification constitutes a Monitoring Committee, for effective monitoring of the provisions of the draft notification, comprising of the following, namely:-

(i) District Magistrate and Collector, Hyderabad -Chairperson;

(ii) Representative of State Pollution Control Board- -Member;

(iii) One representative of non-Governmental Organisation (working in the field of environment including heritage conservation) to be nominated by the State Government - Member;

(iv) A representative nominated by the Forest & Environment Department of Telangana - -Member;

(v) An expert in Biodiversity to be nominated by the State Government -Member;

(vi) An expert in Ecology and environment to be nominated by the State Government- -Member;

(vii) Senior Town Planners of the area or Chief Urban Planner or City Planner -Member;

(viii) District Forest Officer, Hyderabad -Member Secretary.

6.Terms of Reference.- (i)The Monitoring Committee shall monitor the compliance of the provisions of this Notification.

(ii) The tenure of the Monitoring committee shall be for three years or till the re-constitution of the new Committee by the State Government and subsequently the Monitoring Committee would be constituted by the State Government.

(iii) The Monitoring Committee shall not allow the activities that are covered in the Schedule to the notifications of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forests namely Environmental Impact Assessment, 2006 vide S.O. 1533 (E), dated the 14th September, 2006, and Coastal Regulation Zone, 2011 vide S.O. No. 19(E) dated 6th January, 2011 and subsequent amendments therein, and are falling in the Eco-sensitive Zone, including the prohibited activities as specified in the Table under paragraph 4 thereof. Only white categories of industries shall be considered as specified in the guidelines issued by the CPCB for "classification of Industries, 2016".

(iv) The activities that are not covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forests number S.O. 1533(E), dated the 14th September, 2006 and S.O. 19 (E) dated 6th January, 2011 and are falling in the Eco-sensitive Zone, except for the prohibited activities as specified in the Table under paragraph 4 thereof, shall be scrutinised by the Monitoring Committee based on the actual site-specific conditions and referred to the concerned Regulatory Authorities.

(v) The Member Secretary of the Monitoring Committee or the concerned Commissioner shall be competent to file complaints under section 19 of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986) against any person who contravenes the provisions of this notification.

(vi) The Monitoring Committee may invite representatives or experts from concerned Departments, representatives from Industry Associations or concerned stakeholders to assist in its deliberations depending on the requirements on issue to issue basis.

(vii) The Monitoring Committee shall submit the annual action taken report of its activities as on 31st March of every year by 30th June of that year to the Chief Wild Life Warden of the State under intimation to this Ministry as per proforma appended at **Annexure III**.

(viii) The Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change may give such directions, as it deems fit, to the Monitoring Committee for effective discharge of its functions.

7. The Central Government and State Government may specify additional measures, if any, for giving effect to provisions of this notification.

8. The provisions of this notification shall be subject to the orders, if any, passed, or to be passed, by the Hon'ble Supreme Court of India or the High Court or National Green Tribunal.

[F. No. 25/54/2014-ESZ-RE]

Dr. SATISH C. GARKOTI, Scientist 'G'

Annexure-I

Map of Kasu Brahmanda Reddy National Park, Telangana along with Eco-Sensitive Zone

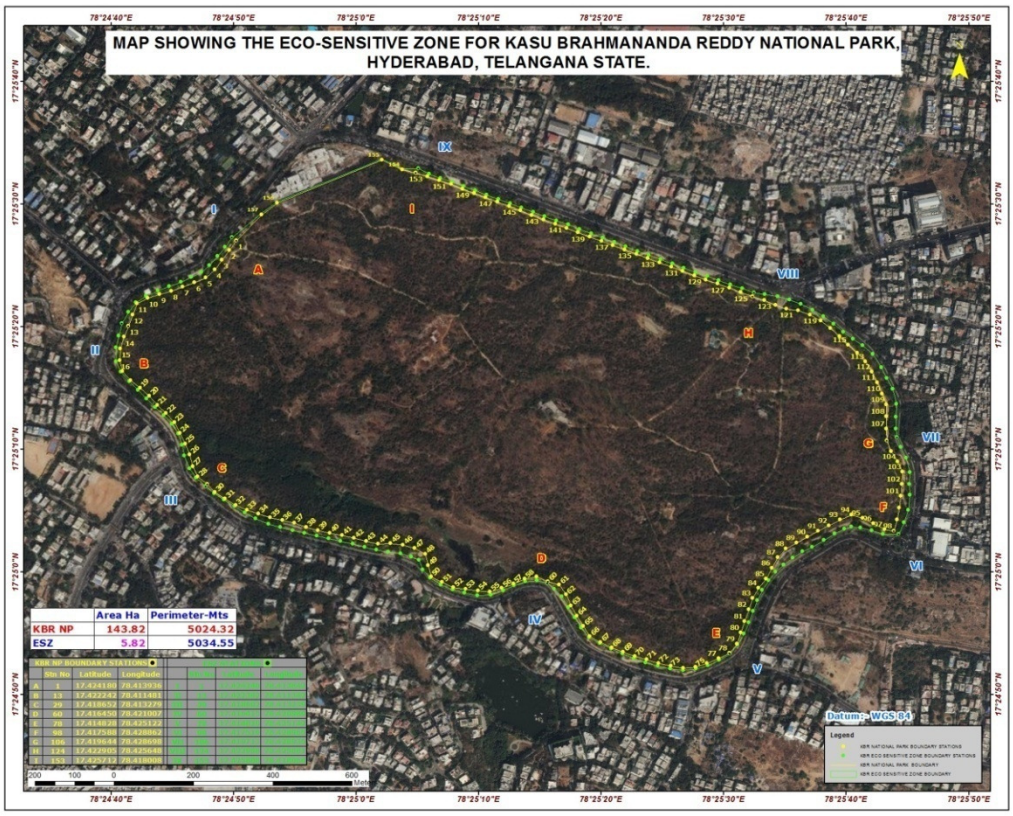

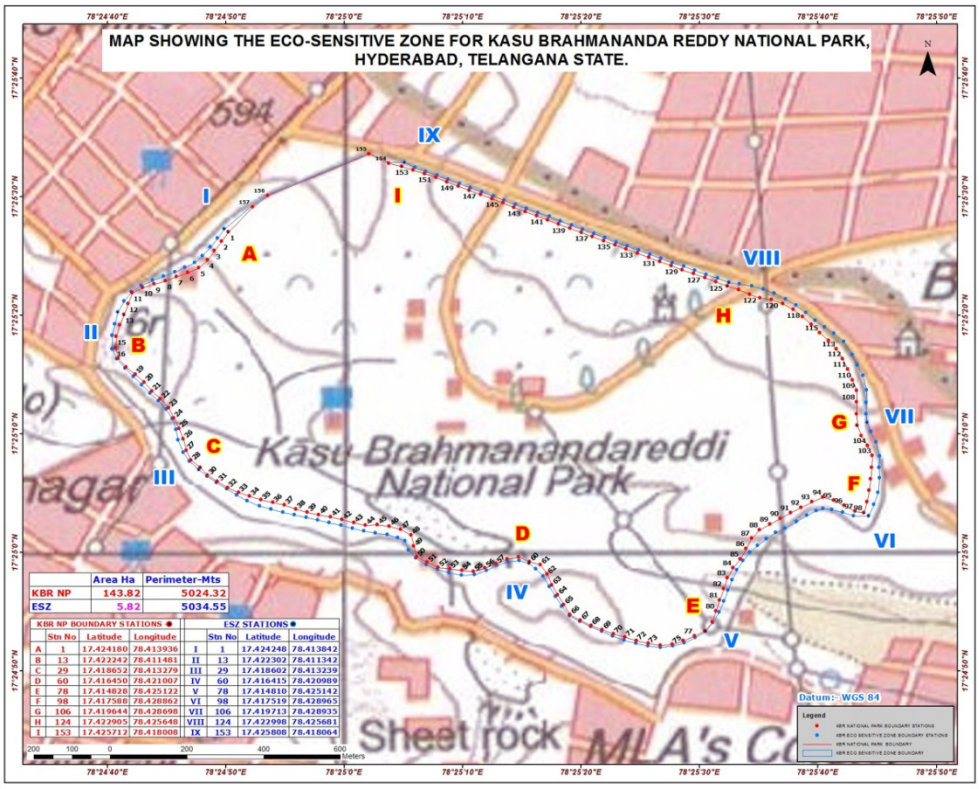

MAP SHOWING THE ECO-SENSITIVE ZONE FOR KASU BRAHMANANDA REDDY NATIONAL PARK, HYDERABAD, TELANGANA STATE.
Kāsu-Brahmanandareddi National Park
Sheet rock
A B C D E F G H I
I II III IV V VI VII VIII IX
	Area Ha	Perimeter-Mts
KBR NP	143.82	5024.32
ESZ	5.82	5034.55
KBR NP BOUNDARY STATIONS
	Stn No	Latitude	Longitude
A	1	17.424180	78.413936
B	13	17.422242	78.411481
C	29	17.418652	78.413279
D	60	17.416450	78.421007
E	78	17.414828	78.425122
F	98	17.417588	78.428862
G	106	17.419644	78.428698
H	124	17.422905	78.425648
I	153	17.425712	78.418008
ESZ STATIONS
	Stn No	Latitude	Longitude
I	1	17.424248	78.413842
II	13	17.422302	78.411342
III	29	17.418602	78.413239
IV	60	17.416415	78.420989
V	78	17.414810	78.425142
VI	98	17.417519	78.428965
VII	106	17.419713	78.428935
VIII	124	17.422998	78.425681
IX	153	17.425808	78.418064
200 100 0 200 400 600 Meters
Datum:- WGS 84
Legend

MAP SHOWING THE ECO-SENSITIVE ZONE FOR KASU BRAHMANANDA REDDY NATIONAL PARK, HYDERABAD, TELANGANA STATE.
A B C D E F G H I
I II III IV V VI VII VIII IX
	Area Ha	Perimeter-Mts
KBR NP	143.82	5024.32
ESZ	5.82	5034.55
KBR NP BOUNDARY STATIONS
	Stn No	Latitude	Longitude
A	1	17.424180	78.413936
B	13	17.422242	78.411481
C	29	17.418652	78.413279
D	60	17.416450	78.421007
E	78	17.414828	78.425122
F	98	17.417588	78.428862
G	106	17.419644	78.428698
H	124	17.422905	78.425648
I	153	17.425712	78.418008
ESZ STATIONS
	Stn No	Latitude	Longitude
I	1	17.424248	78.413842
II	13	17.422302	78.411342
III	29	17.418602	78.413239
IV	60	17.416415	78.420989
V	78	17.414810	78.425142
VI	98	17.417519	78.428965
VII	106	17.419713	78.428935
VIII	124	17.422998	78.425681
IX	153	17.425808	78.418064
200 100 0 200 400 600 Meters
Datum:- WGS 84
Legend

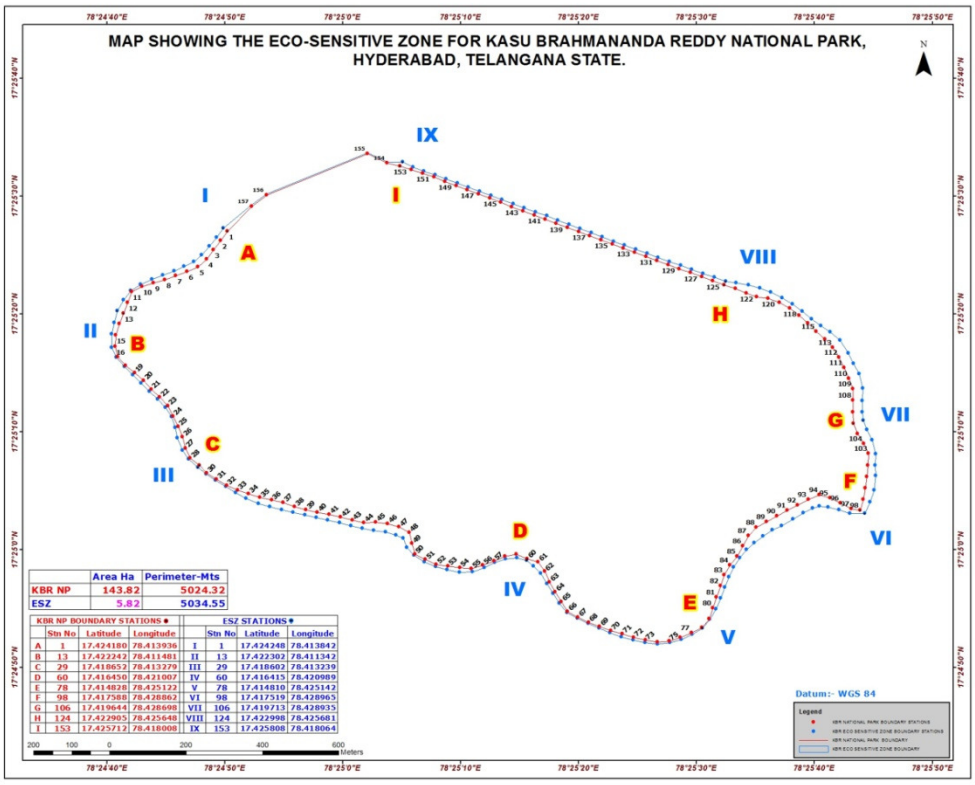

Annexure-II

Geo Co-ordinates of boundary of Kasu Brahmanda Reddy National Park, Telangana

S.No	KBR main boundary wall	
	LATITUDE	LONGITUDE
1	17.4241801	78.41393621
2	17.423959	78.41377303
3	17.423738	78.41360985
4	17.423517	78.41344667
5	17.4233343	78.41323886
6	17.4232241	78.41298424
7	17.4231282	78.41272041
8	17.4230329	78.41245634
9	17.4229542	78.41218634
10	17.4228733	78.41191709
11	17.4227506	78.4116754
12	17.422495	78.41158209
13	17.4222421	78.41148095
14	17.4219875	78.41138499
15	17.4217302	78.41129847
16	17.4214596	78.41128485
17	17.4212116	78.41134705
18	17.4210114	78.4115367
19	17.4208319	78.41174771
20	17.4206546	78.41196113
21	17.4204475	78.41213922
22	17.4202565	78.41233855
23	17.4200592	78.41252826
24	17.4198156	78.41265169
25	17.4195716	78.41277434
26	17.4193199	78.41287805
27	17.4190568	78.41294177
28	17.4188192	78.41305744
29	17.4186517	78.41327873
30	17.4184707	78.41344719
31	17.4183293	78.413681
32	17.4181801	78.41391648
33	17.4180712	78.41417225
34	17.417979	78.41443693
35	17.4178923	78.41470424
36	17.4178298	78.41497755

37	17.4177716	78.41525279
38	17.4176833	78.41551935
39	17.4176033	78.41578869
40	17.417545	78.41605998
41	17.4174931	78.41633527
42	17.4174276	78.41660907
43	17.4173552	78.41688094
44	17.4173009	78.41715537
45	17.4173123	78.4174367
46	17.4172715	78.41771437
47	17.4171967	78.41798556
48	17.4170693	78.41822163
49	17.4168074	78.41828775
50	17.4165567	78.41835832
51	17.4164297	78.41860761
52	17.4163143	78.41886121
53	17.4162734	78.4191366
54	17.4162348	78.41941444
55	17.4162131	78.419694
56	17.4162988	78.41996108
57	17.4163991	78.42022216
58	17.4165119	78.42047794
59	17.4165567	78.42075401
60	17.4164496	78.42100652
61	17.4163763	78.42126534
62	17.4161492	78.42141757
63	17.415902	78.42153308
64	17.4156627	78.42166341
65	17.415431	78.42180936
66	17.4152063	78.42195973
67	17.4150673	78.42220199
68	17.4149479	78.42245399
69	17.414851	78.42271751
70	17.4147544	78.42298117
71	17.4146765	78.42325141
72	17.4145927	78.42351978
73	17.4145277	78.42379357
74	17.4144878	78.42407188
75	17.4145085	78.42435312
76	17.4145981	78.42461673
77	17.4147053	78.42487592

78	17.4148281	78.42512182
79	17.4150361	78.4252903
80	17.4152921	78.42538254
81	17.4155498	78.42546977
82	17.4158067	78.42555921
83	17.416062	78.42565353
84	17.4162984	78.42578605
85	17.4165096	78.4259595
86	17.4167495	78.42609063
87	17.4169897	78.42622097
88	17.4171843	78.42640518
89	17.4173194	78.4266497
90	17.4174534	78.42689503
91	17.4175875	78.42714024
92	17.4177192	78.42738681
93	17.4178493	78.42763436
94	17.4179563	78.42789361
95	17.4178846	78.42814541
96	17.417759	78.42839442
97	17.4176339	78.42864375
98	17.4175881	78.42886203
99	17.4178512	78.42892962
100	17.4181183	78.42897573
101	17.4183866	78.42901443
102	17.4186569	78.42903349
103	17.4189269	78.42905658
104	17.4191646	78.42894358
105	17.4193925	78.42879093
106	17.4196436	78.42869765
107	17.4199124	78.4286806
108	17.4201833	78.42868523
109	17.4204542	78.42868854
110	17.4207035	78.42858959
111	17.4209515	78.42847595
112	17.4211985	78.42836016
113	17.4214301	78.42821504
114	17.4216296	78.42802729
115	17.421812	78.4278189
116	17.4220035	78.42761923
117	17.4221923	78.4274169
118	17.4223626	78.42719975

119	17.4224923	78.42695194
120	17.4225947	78.4266914
121	17.4226282	78.42641841
122	17.4227148	78.4261752
123	17.4228184	78.42591474
124	17.4229053	78.42564765
125	17.4229998	78.42538317
126	17.4230981	78.42512019
127	17.4231941	78.42485629
128	17.4232905	78.42459254
129	17.4233866	78.42432869
130	17.4234846	78.42406558
131	17.4235837	78.42380302
132	17.4236804	78.42353956
133	17.4237772	78.42327597
134	17.4238758	78.42301311
135	17.42397	78.4227485
136	17.4240626	78.42248339
137	17.4241596	78.42221988
138	17.4242558	78.42195607
139	17.4243532	78.42169269
140	17.4244579	78.42143343
141	17.4245528	78.42116998
142	17.4246518	78.42090749
143	17.4247504	78.42064466
144	17.4248528	78.42038338
145	17.4249525	78.42012096
146	17.4250507	78.41985828
147	17.4251514	78.4195963
148	17.4252513	78.41933398
149	17.4253496	78.41907101
150	17.4254497	78.41880875
151	17.4255385	78.41854248
152	17.4256264	78.41827569
153	17.4257115	78.41800838
154	17.425788	78.417699
155	17.426001	78.417243
156	17.425027	78.414855
157	17.424765	78.414502

Geo-coordinatesof Eco-sensitive Zone Boundary of Kasu Brahmanda Reddy National Park, Telangana

S.No	ESZ Boundary Coordinates	
	LATITUDE	**LONGITUDE**
1	17.42424769	78.41384223
2	17.42403067	78.41367283
3	17.42382327	78.41351195
4	17.4236183	78.41333032
5	17.42345148	78.41314002
6	17.4233422	78.41291316
7	17.42323519	78.41267296
8	17.42313593	78.41241462
9	17.42303878	78.41215246
10	17.4229186	78.4118866
11	17.42277337	78.41166009
12	17.42255889	78.41148756
13	17.42230155	78.41134171
14	17.42202039	78.41126704
15	17.42174876	78.41120493
16	17.42142719	78.41120721
17	17.42119678	78.41131163
18	17.42098183	78.41150445
19	17.42078651	78.41169914
20	17.42059305	78.41189523
21	17.42040097	78.41209008
22	17.42020914	78.41228686
23	17.42001438	78.41247118
24	17.41979455	78.41261526
25	17.41954863	78.41270679
26	17.41929949	78.41275327
27	17.41901127	78.41287219
28	17.41879735	78.41302399
29	17.41860232	78.41323863
30	17.41844933	78.41342985
31	17.41830006	78.4136591
32	17.4181468	78.4138929
33	17.41800286	78.41412684
34	17.41786642	78.41436855
35	17.41774818	78.41466163
36	17.41767343	78.41493797
37	17.41760953	78.41521206

38	17.41754632	78.41548495
39	17.41748298	78.41575846
40	17.41742038	78.41602866
41	17.41735727	78.41630113
42	17.41729374	78.41657542
43	17.41723025	78.41684955
44	17.41716722	78.41712177
45	17.41711913	78.41738816
46	17.41707836	78.41766567
47	17.41701076	78.41791258
48	17.41693038	78.41807369
49	17.41670849	78.41816411
50	17.41652683	78.418337
51	17.41637623	78.4185823
52	17.41626816	78.41884522
53	17.41618747	78.41911565
54	17.41613238	78.41940424
55	17.41614438	78.41971564
56	17.41624416	78.41998897
57	17.41635924	78.42024112
58	17.41644145	78.42049156
59	17.4164733	78.42075552
60	17.4164154	78.42098919
61	17.41626959	78.42115282
62	17.41610078	78.4213263
63	17.41586429	78.42146234
64	17.41562966	78.42160832
65	17.41539215	78.42176588
66	17.41518372	78.42194409
67	17.41504306	78.4221894
68	17.41492379	78.42244118
69	17.41480937	78.42269873
70	17.41470127	78.42296059
71	17.4146065	78.42322956
72	17.41452891	78.42350422
73	17.41446854	78.42378531
74	17.41443867	78.42407503
75	17.41446637	78.42436552
76	17.41455013	78.42463989
77	17.41467059	78.42489687
78	17.41480961	78.42514249

79	17.41502166	78.4253142
80	17.41526038	78.42545322
81	17.41551663	78.42556915
82	17.41577295	78.42566157
83	17.41601871	78.42575569
84	17.41625004	78.42586966
85	17.41646872	78.42601321
86	17.41666351	78.42617774
87	17.41682579	78.42635157
88	17.41698448	78.42656436
89	17.41712368	78.42678266
90	17.41722701	78.42700192
91	17.41738142	78.42727707
92	17.41752975	78.42751529
93	17.41763964	78.42773928
94	17.41768723	78.42788971
95	17.4176652	78.42809452
96	17.41760856	78.42835952
97	17.41751656	78.42861712
98	17.41751924	78.42896452
99	17.41779219	78.42908735
100	17.41806926	78.42918929
101	17.41840308	78.42922597
102	17.41865682	78.42921504
103	17.41892445	78.4292171
104	17.41924765	78.42914011
105	17.4194983	78.42901617
106	17.41971339	78.42893466
107	17.41990932	78.42890127
108	17.42017288	78.42890817
109	17.42046367	78.42891329
110	17.42080942	78.42883495
111	17.42105603	78.42870321
112	17.42130229	78.42857649
113	17.42159742	78.42837749
114	17.42179431	78.42815057
115	17.42194928	78.42792719
116	17.42210746	78.42771149
117	17.42228577	78.42749137
118	17.42245196	78.42726176
119	17.4226042	78.42701946

120	17.42274263	78.42674374
121	17.42283373	78.42649003
122	17.42290412	78.42622108
123	17.422961	78.42593196
124	17.42299795	78.4256806
125	17.42308565	78.42541658
126	17.4231804	78.4251521
127	17.42327483	78.42488719
128	17.42336821	78.42462192
129	17.42346076	78.42435852
130	17.42355825	78.42409414
131	17.42365268	78.42382977
132	17.42374709	78.42356539
133	17.42384156	78.4233009
134	17.42393627	78.42303794
135	17.42403567	78.42277567
136	17.42413555	78.42251356
137	17.4242355	78.42225127
138	17.42433547	78.42198951
139	17.42443673	78.42172783
140	17.42453766	78.42146423
141	17.4246316	78.42120128
142	17.424728	78.42093776
143	17.42482451	78.42067408
144	17.42492096	78.42041023
145	17.42501674	78.42014591
146	17.42511123	78.41988162
147	17.42520801	78.4196185
148	17.42530793	78.41935617
149	17.42540634	78.41909291
150	17.42550632	78.41883087
151	17.42559447	78.41856641
152	17.42568897	78.41830832
153	17.42580759	78.4180636
154	17.425815	78.41471
155	17.426033	78.417243
156	17.425053	78.414843
157	17.424786	78.414483

Annexure III

Performa of Action Taken Report: - Eco-sensitive Zone Monitoring Committee.-

1. Number and date of meetings.
2. Minutes of the meetings: mention main noteworthy points. Attach minutes of the meeting as separate Annexure.
3. Status of preparation of Zonal Master Plan including Tourism Master Plan.
4. Summary of cases dealt for rectification of error apparent on face of land record (Eco-sensitive Zone wise). [Details may be attached as Annexure]
5. Summary of cases scrutinised for activities covered under the Environment Impact Assessment notification, 2006. [Details may be attached as separate Annexure]
6. Summary of cases scrutinised for activities not covered under the Environment Impact Assessment notification, 2006. [Details may be attached as separate Annexure]
7. Summary of complaints lodged under section 19 of the Environment (Protection) Act, 1986;
8. Any other matter of importance.

Uploaded by Dte. of Printing at Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.

ALOK KUMAR
Digitally signed by ALOK KUMAR
Date: 2018.11.13 16:21:34 +05'30'